

# Ro Ro Kar Shyam Tumhe Aawaaz Lagata Hoon Lyrics Hindi Hinglish Meaning

**Lyrics for “Ro Ro Kar Shyam Tumhe Aawaaz Lagata Hoon”**

रो रो कर शाम तुम्हें आवाज लगाता हूँ **Hindi Lyrics**

तरज़ :-

शाम तेरी सांवरी सुरत पे मर मिट जाऊंगी

रो रो कर शाम तुम्हें,आवाज़ लगाता हूँ,  
क्यों सुनते नहीं मोहन,तुमको रोज़ बुलाता हूँ  
रो रो कर....

अपने इस सेवक पे प्यारे,इतना ना ज़ुलम करो,  
कमज़ोर बड़ा हूँ मैं,थोड़ा तो रहम करो  
अब क्या करूँ कैसे करूँ,कुछ समझ ना पाता हूँ,  
क्यों सुनते नहीं मोहन,तुमको रोज़ बुलाता हूँ  
रो रो कर....

करके कोशिश लाखों,आखिर मैं हार गया  
दुनिया पूछे मुझसे,कहाँ तेरा यार गया  
आने वाला है तू,दिल को समझाता हूँ,  
क्यों सुनते नहीं मोहन,तुमको रोज़ बुलाता हूँ  
रो रो कर....

उत्कृष्ट में क्यों छोड़ दिया,तुमने हैं साथ मेरा,  
तरस नहीं आया तुमको,यूँ देख के हाल मेरा  
माधव तेरे चरणों में दुःख अपने सुनाता हूँ,  
क्यों सुनते नहीं मोहन,तुमको रोज़ बुलाता हूँ  
रो रो कर....

**Ro ro kar Shyam tumhe awaaz lagata hoon Lyrics in English**

Ro Ro Kar Shaam Tumhe, Aawaz Lagata Hoon,  
Kyon Sunte Nahin Mohan, Tumko Roz Bulata Hoon,  
Ro Ro Kar...

Apne Is Sevak Pe Pyare, Itna Na Zulm Karo,  
Kamzor Bada Hoon Main, Thoda To Reham Karo,  
Ab Kya Karoon Kaise Karoon, Kuch Samajh Na Pata Hoon,  
Kyon Sunte Nahin Mohan, Tumko Roz Bulata Hoon,  
Ro Ro Kar...

Karke Koshish Laakhon, Aakhir Main Haar Gaya,  
Duniya Puchhe Mujhse, Kahaan Tera Yaar Gaya,  
Aane Wala Hai Tu, Dil Ko Samjhata Hoon,  
Kyon Sunte Nahin Mohan, Tumko Roz Bulata Hoon,

Ro Ro Kar...

Ulfat Mein Kyon Chhod Diya, Tumne Hain Saath Mera,  
Tars Nahin Aaya Tumko, Yun Dekh Ke Haal Mera,  
Madhav Tere Charanon Mein Dukh Apne Sunata Hoon,  
Kyon Sunte Nahin Mohan, Tumko Roz Bulata Hoon,  
Ro Ro Kar...

## About Ro ro kar Shyam tumhe awaaz lagata hoon Bhajan in English

"Ro Ro Kar Shyam Tumhe Awaaz Lagata Hoon" is a heartfelt devotional bhajan that expresses the deep sorrow, longing, and emotional plea of a devotee calling out to **Lord Shyam** (a form of Lord Krishna). The bhajan highlights the devotee's inner turmoil, helplessness, and desperate desire to feel the presence of the Lord, while seeking solace and divine intervention.

- **The Devotee's Plea to Lord Krishna:** The central theme of the bhajan is the devotee crying out to Lord Krishna, calling Him day and night but feeling unheard. "Ro ro kar Shyam tumhe awaaz lagata hoon" (Crying, I call out to you, Shyam) emphasizes the intense emotional pain the devotee experiences from longing for Krishna's presence, as the devotee feels that Krishna is not responding despite the calls.
- **Helplessness and Surrender:** The bhajan conveys the devotee's sense of vulnerability and submission. The devotee describes feeling weak and helpless, asking Krishna for mercy: "Apne is sevak pe pyare, itna na zulm karo" (O beloved, don't be so harsh on your servant). The devotee is aware of their limitations but seeks Krishna's kindness, acknowledging their dependence on His grace.
- **Struggles and Desperation:** The bhajan speaks of the devotee's efforts and struggles to connect with Krishna, yet feeling lost and distant. "Karke koshish lakhon, aakhir main haar gaya" (I tried thousands of times, but in the end, I lost) reveals the emotional exhaustion of the devotee who has tried everything to reach Krishna, yet feels like they have failed.
- **Feeling Abandoned by the Divine:** There is an expression of sorrow and a sense of abandonment as the devotee reflects on Krishna's absence in times of need. "Ulfat mein kyun chhod diya, tumne hai saath mera" (Why have you abandoned me in love, when you were with me?) This line highlights the pain of feeling forsaken by Krishna in times of hardship, and the devotee's cry for Krishna's return.
- **Seeking Comfort in Krishna's Divine Presence:** Despite the pain and struggles, the devotee continues to find solace in Krishna's divine form, seeking comfort at His feet. "Madhav tere charno mein dukh apne sunata hoon" (Madhav, I narrate my sorrows at your feet) expresses the hope that by surrendering at Krishna's feet, the devotee's sorrow will be alleviated.

Overall, "**Ro Ro Kar Shyam Tumhe Awaaz Lagata Hoon**" is a deeply emotional and expressive bhajan that captures the devotion, helplessness, and longing of a devotee calling out to Lord Krishna in times of distress. It conveys the agony of feeling distant from the divine while expressing the unwavering faith that Krishna will eventually hear the call and bring solace to the devotee's heart. This bhajan resonates with the emotional connection between a devotee and the divine, showcasing the intense desire for divine presence and guidance.

# About Ro ro kar Shyam tumhe awaaz lagata hoon Bhajan in Hindi

“रो रो कर श्याम तुम्हें आवाज़ लगाता हूँ” भजन के बारे में

“रो रो कर श्याम तुम्हें आवाज़ लगाता हूँ” एक अत्यंत भावुक और श्रद्धापूरित भजन है जो एक भक्त के भगवान श्याम (भगवान श्री कृष्ण) के प्रति गहरे प्रेम, दुःख, और उनके दर्शन के लिए की जाने वाली प्रार्थना को व्यक्त करता है। इस भजन में भक्त अपनी पीड़ा और अकेलेपन का वर्णन करता है, साथ ही भगवान से उनकी मदद और आशीर्वाद की गुहार लगाता है। यह भजन उस भक्त की निरंतर कोशिश और कृष्ण के प्रति उसकी अटूट श्रद्धा को दर्शाता है, जो कृष्ण से दूर होने के बावजूद कभी हार नहीं मानता।

- **भगवान श्री कृष्ण से आह्वान :** भजन का मुख्य विषय भक्त का भगवान श्री कृष्ण को पुकारना और उनकी दिव्य उपस्थिति की मांग करना है। “रो रो कर श्याम तुम्हें आवाज़ लगाता हूँ” पंक्ति में भक्त अपनी दुःख भरी स्थिति को व्यक्त करता है, और भगवान श्री कृष्ण से अपनी व्यथा को साझा करने के लिए उन्हें पुकारता है। भक्त का दिल भगवान के बिना अधूरा है, और वह उन्हें अपने पास चाहने के लिए दिन-रात आह्वान करता है।
- **असहायता और समर्पण :** इस भजन में भक्त अपनी असहायता और कमज़ोर स्थिति को स्वीकार करता है, साथ ही भगवान से मदद की अपील करता है। “अपने इस सेवक पे प्यारे, इतना ना ज़ुल्म करो” पंक्ति में भक्त भगवान से अपनी दीन-हीन स्थिति में दया और कृपा की विनती करता है, क्योंकि वह जानता है कि भगवान की कृपा के बिना उसका जीवन मुश्किल है।
- **भगवान की चुप्पी और भक्त की निराशा :** भजन में भक्त अपनी निराशा और भगवान से मिलने में विफलता का वर्णन करता है। “करके कोशिश लाखों, आखिर मैं हार गया” पंक्ति में भक्त यह व्यक्त करता है कि उसने भगवान के पास जाने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली। यह पंक्ति भक्त के संघर्ष को दर्शाती है, और उसकी निराशा के बावजूद भगवान के प्रति प्रेम और विश्वास को बनाए रखने की भावना को व्यक्त करती है।
- **भगवान की अनुपस्थिति का दर्द :** भजन में एक दुखी भक्त अपनी वेदना और भगवान की अनुपस्थिति की गहरी भावना को व्यक्त करता है। “उत्कृष्ट में क्यों छोड़ दिया, तुमने हैं साथ मेरा” पंक्ति में भक्त कृष्ण से पूछता है कि क्यों उन्होंने उसे अकेला छोड़ दिया, और वह अपनी दुःखभरी स्थिति का भगवान से जवाब चाहता है।
- **दुःख का निवारण भगवान श्री कृष्ण से :** भजन का अंत भक्त की उम्मीद और विश्वास से होता है कि भगवान श्री कृष्ण उसकी सुनेंगे और उसकी मदद करेंगे। “माधव तेरे चरणों में दुःख अपने सुनाता हूँ” पंक्ति में भक्त भगवान श्री कृष्ण के चरणों में अपने दुःख और समस्याओं का समाधान चाहता है, यह दर्शाते हुए कि वह केवल भगवान के पास अपनी आत्मा की शांति और समाधान के लिए जाता है।

कुल मिलाकर, “रो रो कर श्याम तुम्हें आवाज़ लगाता हूँ” एक अत्यंत भावनात्मक भजन है जो भक्त की दर्दभरी पुकार और भगवान श्री कृष्ण के प्रति गहरे प्रेम और समर्पण को व्यक्त करता है। यह भजन भगवान से मिलने की प्यास और उनकी कृपा की तलाश को दर्शाता है, और भक्त के दिल में विश्वास और प्रेम का संदेश देता है। इस भजन में भगवान श्री कृष्ण की शक्ति और आशीर्वाद की अपार महिमा है, जो भक्तों के जीवन को रोशन करता है।